पैदल पैदल आऊं संग साथीड़ा ने लाऊँ मारवाड़ी भजन

पैदल पैदल आऊं,
संग साथीड़ा ने लाऊँ,
मारी मैया ये शेर बोले,
ये जंगल झाड़ी गणी।bd।

पावटिया में गणों पाणी,
गुफा ऊपर धुणी,
मारी मैया ये,
मंडली के सुख छाया गणी।bd।

फुल माला लावु,
गणा नारेल चडावु,
मारी मैया ये,
जीब चड अटे पहला सुणी।bd।

पडिया चडतो आवु,
थारे चरणा धोक लगावु,
मारी मैया ये,
पगलया दुकये पीडीया धूज गणी।bd।

मदारियों दरशवे,
मलज मेवाड दरशावे,
मारी मैया ये,
नीच नालु तो भुण आवे गणी।bd।

हो मदारिया महाराणी,
माजल मेवाड महाराणी,
मारी मैया ये,
राजु गुर्जर गावे थाने खमा गणी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पैदल पैदल आऊं,
संग साथीड़ा ने लाऊँ,
मारी मैया ये शेर बोले,
ये जंगल झाड़ी गणी।bd।

गायक / प्रेषक – राजु गुर्जर मदारिया।
+916367847839

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com